start direct air services among the seven SAARC Countries;

(b) if so, the action taken/progress made since then in this regard; and

(c) the time by which these services are likely to be started?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM): (a) India is already connected with all the SAARC countries by air.

(b) and (c) Do not arise.

निजी-विमान कम्पनियों को सावधि ऋण

622. **श्री नागमणि:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या नागर **विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय रिजर्व बैंक ने निजी विमान कंपनियों को निधि प्रदान करने के लिए सावधि ऋण में संशोधन करने संबंधी दिशा-निर्देशों की समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारतीय रिजर्व बैंक ने इस संबंध में वित्त मंत्रालय और एयर टैक्सी आपरेटरों से कोई परामर्श किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में जारी किए गए दिशा-निर्देशों का ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी० एम० इब्राहीम): (क) जी, नहीं।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) दिनांक 12 मार्च, 1997 को अंतर्देशीय सेक्टर में निजी विमान कंपनियों के प्रचालन हेतु उनकी दीर्घावधिक अपेक्षाओं के पूर्ति के लिए प्रबंध-व्यवस्था को सुकर बनाने की दृष्टि से वित्तपोषण नीति के संबंध में विचार-विमर्श करने के लिए बैंकिंग विभाग, प्रमुख वित्तीय संस्थाओं, वाणिज्यिक बैंकों तथा अनुसूचित विमान कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई थी। इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुवर्ती कार्रवाई प्रगति पर है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित अनुवर्ती कार्रवाई संबंधी बैठकों में, एयरलाइंस प्रचालक इस बात पर सहमत रहे हैं कि उनके मामले भी भारतीय रिजर्व बैंक के विद्यमान मार्गदर्शी-सिद्धांतों के अंतर्गत ही आते हैं। इस मतैक्य के मद्देनजर, क्रेडिट प्रबंध संबंधी भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शी-सिद्धांतों की कोई समीक्षा इस अवस्था में अपेक्षित नहीं है। तथापि, भारतीय रिजर्व बैंक एयरलाइंस उद्योग के वित्तपोषण के संबंध में स्थिति को मूल्यांकन तथा समीक्षा करने के लिए अविरल नियमित बैठकें करने के हक में है। इस बीच, विमानन सेक्टर के लिए अपेक्षित वित्तपोषण आधारभूत-संरचना को संबंधित विभिन्न मुद्दों का अध्ययन करने की दृष्टि से, एक उच्चाधिकार-प्राप्त अंतर-सांस्थानिक दल (आई०आई०जी०) गठित करने का निर्णय लिया गया है जिसमें नागर विमानन मंत्रालय, भारतीय स्टेट बैंक, आईएफसीआई, आईसीआईसीआई, आईडीएफसी तथा आईडीबीआई के प्रतिनिधि शामिल हैं।

Purchase of 50 seater turboprop aircraft

623. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether the proposal for purchase of a 50 seater turboprop aircraft for the Alliance Air has been inordinately delayed; and

(b) if so, the details of the proposal indicating the precise requirement of the airlines; the reasons for the delay; the steps so far taken for procurement thereof and the offers received from different aircraft manufacturers for such aircraft?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM): (a) and (b) No, Sir. Alliance Air has no such proposal. However, Indian Airlines is considering to acquire six 50 seater turboprop aircraft for operating in the priority sector of North-East and other important tourist and business destination. The companies alongwith the names of aircraft, which have been shortlisted, are given below:—

Name of the Company	Aircraft
(i) M/s Aero Intenationale	ATR 42-500
(ii) M/s Bombardier Regional Aircraft, Canada	Dash 8-300
(iii) M/s. Saab Aircraft International, Sweden	Saab 2000

The offers received from three manufacturers are being evaluated/negotiated by the Indian Airlines.

Mismanagement at Nagpur airport

624. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:
SHRIMATI BASANTI SARMA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that the Nagpur Airport is totally mismanaged and the Airport Authority is totally neglecting the mismangement at the Airport Level;

(b) whether Government are also aware that because of this large-scale mismanagement the passengers are put to great inconvenience;

(c) whether any enquiry has been made into the affairs of the Nagpur Airport;

(d) if so, what are the finding; and

(e) what action will be taken against those responsible for this?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM): (a) to (c) The material is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

Increase in fares and freight rates by Indian Airlines

625. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether a proposal to increase the fares and freight rates by the Indian Airlines has been under consideration;

(b) if so, the details thereof and the decision if any taken thereon; and

(c) whether the main burden of the increase would be borne by branch routes rather than trunk routes?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI C.M. IBRAHIM): (a) to (c) Indian Airlines and Alliance Air domestic fares were increased with effect from 15th October, 1997 as under:

(i) (a) North Eastern Sectors — 10.5%

(b) Rest of India

Sector upto 700 kms. — 14.0%
Sectors above 700 kms. — 10.5%

(ii) The differential between the Executive and Economy class fares has been kept at 50%

(iii) The total amount to be collected from passengers in INR has been rounded upto the next higher multiple of Rs. 5/-.

(iv) Excess Baggage Rates have been revised accordingly.

(v) Basic Cargo Rates have also been revised accordingly.

इंडियन एयरलाइंस की उड़ानों को बन्द किया जाना

626. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे:** क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इंडियन एयरलाइंस ने भुज, राजकोट तथा जामनगर से मुम्बई की अपनी उड़ानें हाल ही में बन्द कर दी है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या इन शहरों के यात्रियों के लिए अहमदाबाद तथा भावनगर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है; और

(घ) क्या भुज में मुम्बई तक के लिए दैनिक उड़ान में वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव है?

नागर विमानन मंत्री (श्री सी० एम० इब्राहीम): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) ये प्रश्न नहीं उठते।

(घ) एलायंस एयर जो इंडियन एयरलाइंस की एक पूर्णत: स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, ने 3 नवम्बर, 1977 से भुज से मुंबई के लिए अपनी प्रति सप्ताह 4 से 5 उड़ानें कर दी हैं।